क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 177, शनिवार, 21 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फ्रांस ने साफ किया

'राफेल डील सार्वजनिक नहीं की जा सकती'

फ्रांस।

लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा सरकार पर फ्रांस के साथ किए गए राफेल डील पर गंभीर आरोपों को फ्रांस ने सिरे से खारिज कर दिया है। राहुल ने कहा था कि इस डील में घपला हुआ है और विमानों की कीमत ज्यादा कर दी गई है। राहुल ने साथ ही आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री निर्णला सीतारमण ने राफेल डील को लेकर देश से झूठ बोला है। फ्रांस सरकार ने राहुल के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों देशों में सूचना गोपनीय रखने का करार है और इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। फ्रांस सरकार ने बयान जारी कर कहा कि 2008 के सिक्योंरिटी अग्रीमेंट के तहत दोनों देश गुप्त सूचना को सार्वजनिक नहीं कर सकते हैं। हम कानूनी तौर पर इसे बंधे हुए हैं। डील की जानकारी सार्वजनिक करने से सुरक्षा और ऑपरेशनल क्षमता पर असर पड़ सकता है

'हम चौकीदार भी हैं, भागीदार भी'

राहुल ने स्टेज लूटा.. राहुल ने मांगे थे 15 मिनट... बोले 30 मिनट, पीएम को राहुल के गले लगाने पर बोलीं सुमित्रा महाजन- सदन में ये बर्ताव ठीक नहीं

अविश्वास प्रस्ताव

● मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि .... न मांझी, न रहबर, न हक में हवाएं, है कश्ती भी जर्जर, यै कैसा सफर है

नई दिल्ली।

संसद के मानसून सत्र के तीसरे दिन सदन में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सबने अपनी-अपनी बातें रखी। सभी पार्टियों ने अपनी-अपनी मांगों को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला।

तेलगू देशम पार्टी ने तेलंगाना के विशेष राज्य को लेकर मोदी सरकार को घेरा तो वहीं मुलायम सिंह यादव ने किसानों को लेकर मोदी सरकार पर कई आरोप लगाए। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के आरोपों का सीधा जवाब देते हुए कहा कि आप हमें कहते हैं कि हम चौकीदार नहीं भागीदार हैं। हम सौदागर नहीं हैं। हम ठेकेदार नहीं हैं। हम चौकादार भी हैं और भागीदार भी हैं और इसका हमें गर्व है। प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा, आज मुझसे कहा गया कि मुझमें हिम्मत नहीं कि मैं उनकी आंख में आंख डालकर नहीं देख सकता। आप नामदार हैं, हम कामदार हैं। भला हम आपकी आंख में आंख कैसे डाल सकते हैं। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस से लेकर सरदार पटेल और मुलायम सिंह और शरद पवार तक का नाम लेकर कहा कि कांग्रेस ने आंख में आंख डालने वालों के साथ क्या किया यह सब जानते हैं। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक को जुमला स्ट्राइक कहकर इस पार्टी ने सेना का अपमान किया। उन्होंने कहा, इसके लिए देश उन्हें कभी माफ नहीं किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा, उनमें सेना के पराक्रम को स्वीकारने की हिम्मत नहीं है। पीएम ने कहा, गाली देनी है तो मुझे दो, सेना को नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आजकल ईश्वर की खूब बात हो रही है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको इतनी शक्ति दे कि आप 2024 में फिर से अविश्वास प्रस्ताव ले आएं। पीएम मोदी ने डोकलाम विवाद के दौरान राहुल गांधी के चीनी राजदूत से मिलने पर भी सवाल उठाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में अस्थिरता फैलाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। पीएम मोदी ने कहा, किसानों से जितना लिया गया, उससे ज्यादा दिया गया। मुद्रा योजना के तहत 13 करोड़ युवाओं को लोन देने का काम किया

राहुल ने पीएम को दी जादू की झप्पी

पीएम ने राहुल को बुलाकर हाथ मिलाया

मुस्कुराने पर रार, हरसिमरत कौर राहुल पर हुईं लाल

नई दिल्ली।

लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के मुस्कुराने वाले एक बयान पर विवाद हो गया।

राहुल गांधी हाथ का इशारा करते हुए बोल गए कि ये अकाली दल की नेता मुस्कुरा कर मुझे देख रही थीं। इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया और हंसी के ठहाके भी लगने लगे। हरसिमरत कौर बादल ने राहुल के इस बयान पर कड़ा विरोध जताया।

बीजेपी को शिवसेना से झटका, बीजेडी का वॉकआउट

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से ठीक पहले शिवसेना ने एनडीए को झटका दिया तो वहीं, बीजेडी के सदस्यों ने वॉकआउट कर विपक्षी एकता के सपने पर चोट की। जेडीयू ने कहा है कि वह सरकार के साथ है। आपको बता दें कि भले ही अविश्वास प्रस्ताव के नतीजे सबको पता हों पर 2019 से पहले सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष इसे मतदाताओं तक पहुंचने के मौके के तौर पर भुनाना चाहता है। शिवसेना ने फैसला किया है कि वह अविश्वास प्रस्ताव के दौरान वोटिंग से गैरहाजिर रहेगी। शिवसेना ने कहा है कि मोदी सरकार ने 2014 में किए गए अपने वादों को पूरा नहीं किया और लोगों के अंदर सरकार के खिलाफ अविश्वास है। लोकसभा में बीजेडी के अब 19 सांसद हैं, जो सदन से वॉकआउट कर गए। बीजेडी के नेता भर्तृहरि महताब ने कहा कि पिछले 14 वर्षों में ओडिशा के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा, पिछले 14 वर्षों में बीजेडी ने देखा है कि यूपीए ने 10 वर्षों तक और एनडीए ने चार वर्षों से ओडिशा के साथ अन्याय किया है।

'कांग्रेस ने किया था फ्रांस से सीक्रेसी अग्रीमेंट: रक्षा मंत्री

नई दिल्ली।

मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान शुक्रवार को सदन में राफेल डील पर जोरदार बहस देखने को मिली। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के गंभीर आरोपों का रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 25 जनवरी 2008 को फ्रांस के साथ सीक्रेसी अग्रीमेंट कांग्रेस की ही सरकार ने किया था, हम तो इसे आगे बढ़ा रहे हैं। इस अग्रीमेंट में राफेल डील भी शामिल है। दरअसल, राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दबाव में रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने राफेल डील को लेकर देश से झूठ बोला है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी उस समय तत्कालीन रक्षा मंत्री एके एंटनी ने फ्रांस की सरकार के साथ सीक्रेसी अग्रीमेंट्स किया था। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस के अध्यक्ष जब फ्रेंच प्रेजिडेंट से मिले तो क्या बात हुई, नहीं पता। आपको बता दें कि पूरा मामला राफेल की कीमत को लेकर है। कांग्रेस का आरोप है कि मोदी सरकार ने प्लेन की कीमत बढ़ा दी।

'आडवाणी की रथ यात्रा से अटका अयोध्या विवाद'

बलिया

समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता रामगोविंद चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेता लालकृष्ण आडवाणी ने रथ यात्रा नहीं निकाली होती और अयोध्या में बाबरी मस्जिद नहीं ढहाई जाती तो अब तक राम मंदिर मसले का हल निकल चुका होता।

सीमा के पास तिब्बत में चीन का बड़ा सैन्य अभ्यास

पेइचिंग

चीनी सैनिकों ने भारतीय सीमा के पास तिब्बत में एक पखवाड़े के बाद दूसरी बार अभ्यास किया है। इस अभ्यास में पायलटों और स्पेशल फोर्सेज ने हिस्सा लिया। इनमें हेलिकॉप्टर के पायलटों की ग्राउंड ट्रेनिंग और ऊंचाई वाले स्थानों पर अपने कौशल की जांच शामिल थी।

अंधविश्वास के नाम पर महिलाओं से रेप

हिसार

हरियाणा के फतेहाबाद जिले के टोहाना में बाबा बालकनाथ मंदिर के पुजारी अमरपुरी उर्फ बिल्लू का एक विडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह महिलाओं के साथ आपत्तिजनक हालत में दिख रहा है। इसके बाद पुलिस ने आनन-फानन में बिल्लू को गिरफ्तार कर लिया। अमरपुरी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को छानबीन में कुछ ऐसा मिला, जिसकी वजह से प्रशासनिक अमले के होश उड़ गए। बता दें कि अमरपुरी उर्फ बिल्लू प्रेतबाधा के नाम पर महिलाओं को फंसाता था और तंत्र विद्या के दौरान नशीली दवा दे देता था, जिससे महिला बेहोश हो जाती थी। बिल्लू उनका दुष्कर्म कर विडियो बना लेता और महिलाओं को ब्लैकमेल कर उनसे मोटी रकम वसूलता था।

प्रदर्शन में फिसड्डी, वेतन वृद्धि में आगे सरकारी बैंक

नई दिल्ली।

भारतीय सरकारी बैंकों के फंसे कर्ज देश की अर्थव्यवस्था के लिए मुसीबत बन गए हैं। वित्त वर्ष 2017-18 में पब्लिक सेक्टर बैंकों का घाटा 79,000 करोड़ रहा और 8.6 लाख करोड़ रुपये कर्ज के रूप में फंसे हुए हैं। हालांकि, खराब प्रदर्शन के बावजूद सरकारी बैंकों ने अपने कर्मचारियों को निजी बैंकों के मुकाबले अधिक वेतन वृद्धि दी। सरकारी बैंकों ने अपने कर्मचारियों के वेतन में 9.7 फीसदी से 11.48 लाख रुपये तक की वृद्धि की तो प्राइवेट बैंकों में यह महज 2.6 फीसदी से लेकर 7.7 लाख रुपये था।

एक और शव बरामद, मृतकों की संख्या 10

नोएड़ा।

शाहबेरी में मंगलवार रात हुए इमारतें ढहने के दर्दनाक हादसे के बाद मलबा हटाए जाने का काम जारी है। इस हादसे में एक और शव बरामद किया गया है और इसी के साथ मृतकों की संख्या 10 तक पहुंच गई है। इस दर्दनाक हादसे में गुरुवार रात तक 9 शव बरामद किए जा चुके थे, जिनमें से एक की पहचान नहीं हो सकी है। ऐसा माना जा रहा है कि अभी भी मलबे के नीचे कई लोग दबे हुए हैं। गुरुवार को प्रशासन व एनडीआरएफ की टीमों ने कहा था कि मलबा हटाए जाने के काम में करीब 40 घंटों का वक्त लग सकता है। बीते रोज हादसे की जगह स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) की टीम भी पहुंच गई थी। वहीं मेरठ मंडल की कमिश्नर अनीता मेश्राम ने सीएम के निर्देश के बाद मामले की जांच शुरू कर दी। उन्होंने मौके पर पहुंचकर जानकारियां जुटाईं और कहा कि यह गंभीर घटना है, उचित कार्रवाई होगी। "यह गंभीर घटना है और जिला प्रशासन से

फाईल फोटो

दर्दनाक

● हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को शवों को पैतृक स्थान तक ले जाने के लिए भी काफी जद्दोजहद करनी पड़ी

यहां हुई कार्रवाई और जांच संबंधी दस्तावेज लिए गए हैं। हर तरह की चूक की जांच होगी और अभी इस मामले में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।" गुरुवार को हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को गुरुवार को शवों को पैतृक स्थान तक ले जाने के लिए भी काफी जद्दोजहद करनी पड़ी।

आईओए ने मंत्रालय का प्रस्ताव ठुकराया

नई दिल्ली।

भारतीय ओलिंपिक संघ ने कुछ विशेष खेलों में एशियाई खेलों की चयन प्रक्रिया पर सरकार के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। आईओए ने कहा कि इस महीने दल के चयन के दौरान खेल मंत्रालय की चिंताओं को संबोधित किया जा चुका है। 1आईओए को उन विशेष मामलों में चयन नियम में ढिलाई देने का आग्रह किया था, जिसमें किसी खेल में या कोई ऐथलीट अभ्यास दौरों की कमी या रैंकिंग टूर्नामेंट में गैर-भागीदारी के कारण क्वॉलिफाई नहीं कर सका, जबकि उसके पास शीर्ष 4 में आने या पदक जीतने का अच्छा मौका है।

शर्मनाक: 4 दिन तक 40 लोग करते रहे गैंगरेप

पंचकूला।

हरियाणा के पंचकूला शहर से गैंगरेप की चौंका देने वाली घटना सामने आई है। यहां 40 लोगों ने कथित रूप से 22 वर्षीय विवाहिता के साथ चार दिन तक गैंगरेप किया। पीड़िता किसी तरह से उनके चंगुल से छूटकर भागी और पुलिस को इसकी सूचना दी। हैरानी की बात यह है कि गैंगरेप की घटना एक सरकारी गेस्ट हाउस में हुई, जहां गैंगरेप पीड़िता को बंधकर बनाकर रखा गया था। इस हैवानियत की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और अब तक दो लोगों को अरेस्ट किया है। गैंगरेप पीड़िता के मेडिकल परीक्षण में रेप की पुष्टि हो गई है। बताया जा रहा है कि यह सरकारी गेस्ट हाउस पंचकूला के मोरनी इलाके में स्थित है। गेस्ट हाउस के आसपास का इलाका सुनसान है।

फिर भेजा जस्टिस जोसफ का नाम

नई दिल्ली।

चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाले 5 वरिष्ठ जजों की सुप्रीम कोर्ट कॉलीजियम ने उत्तराखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस केएम जोसेफ का नाम दोबारा सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के तौर पर नियुक्त करने के लिए सिफारिश का फैसला किया है। बता दें कि इससे पहले 26 अप्रैल को केंद्र सरकार ने जस्टिस जोसेफ को प्रमोट करने की कॉलीजियम की सिफारिश वापस भेज दी थी। केंद्र ने तर्क रखा था कि यह प्रस्ताव टॉप कोर्ट के पैरामीटर्स के तहत नहीं है। केंद्र की ओर से यह भी कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट में केरल से पर्याप्त प्रतिनिधित्व है, जहां से वह आते हैं। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर प्रमोशन के लिए उनकी वरिष्ठता पर भी सवाल उठाए थे। कॉलीजियम ने साथ ही मद्रास हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस इंदिरा बनर्जी और उड़ीसा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस विनीत सरन का नाम

फैसला

● 26 अप्रैल को केंद्र सरकार ने जस्टिस जोसेफ को प्रमोट करने की कॉलीजियम की सिफारिश वापस भेज दी थी

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के तौर पर नियुक्ति के लिए सिफारिश करने का फैसला किया है। कॉलीजियम ने इसके अलावा कई और हाई कोर्ट के जजों को भी दूसरे हाई कोर्ट में नियुक्ति की अनुशंसा की है। कॉलीजियम ने दिल्ली हाई कोर्ट की कार्यकारी चीफ जस्टिस गीता मित्तल को जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त करने की अनुशंसा की है।

भायखला जेल में ८१ महिला कैदी बीमार

मुंबई, भायखला जेल की 81 महिला कैदियों को उल्टी , दस्त और घबराहट होने के बाद आज मुंबई के सरकारी जेजे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। संदेह है कि कैदियों ने विषाक्त भोजन खाया होगा। अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों में 24 सप्ताह की गर्भवती दो महिलाएं शामिल हैं। भर्ती करायी गयी एक महिला कैदी का चार महीने का एक बेटा शामिल है।

जहरीला भोजन खाने की आशंका

सरकारी अस्पताल में कैदियों का इलाज कर रहे एक डाक्टर ने कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि यह विषाक्त भोजन खाने का मामला है। जेल अधिकारियों ने कहा कि शीना बोरा हत्याकांड की मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी भी भायखला जेल में बंद हैं लेकिन वह अस्पताल में भर्ती होने वाली कैदियों में शामिल नहीं हैं। एक अधिकारी ने कहा , ' इंद्राणी जेल में हैं। वह ठीक हैं।' सूत्रों ने बताया कि जेल अधिकारियों को कैदियों के खराब स्वास्थ्य की जानकारी मिलने के बाद उन्हें सुबह करीब 10 बजे से अस्पताल में भर्ती करवाना शुरू किया गया। अस्पताल के

डीन मुकुंद तायड़े ने पुष्टि की कि दोपहर तक 81 मरीजों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

सुप्रीम फैसला सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर से नई गाड़ियों की बिक्री पर थर्ड बीमा कराना अनिवार्य कर दिया

एक सितंबर से गाड़ियां खरीदना हो सकता है महंगा

नई दिल्ली।

फाईल फोटो

अगर आप नई गाड़ी खरीदने का मन बना रहे हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। एक सितंबर से देश में नई गाड़ियां खरीदना महंगा हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर से नई गाड़ियों की बिक्री पर थर्ड बीमा कराना अनिवार्य कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया कि एक सितंबर से नए चार पहिया वाहनों के लिए दो साल का और नए दो पहिया वाहनों के लिए पांच साल का थर्ड पार्टी बीमा अनिवार्य होगा। इससे नई गाड़ी खरीदते वक्त आपको बीमा के लिए ज्यादा रकम चुकानी पड़ेगी। इसका सीधा असर नए वाहनों की कीमत पर पड़ेगा।

बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए दिया फैसला: सुप्रीम कोर्ट ने देश में तेजी से बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर नए वाहनों के लिए थर्ड पार्टी बीमा अनिवार्य किया है। दरअसल ऐसा माना जाता है कि लोग नए वाहन लेते समय तो एक वर्ष के लिए बीमा कराते हैं, लेकिन बहुत से वाहन स्वामी इसके बाद बीमा रीन्यू नहीं कराते हैं। बहुवर्षीय बीमा के पक्ष में वकील गौरव अग्रवाल ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि थर्ड पार्टी बीमा केवल नए वाहन खरीदते समय होता है। इसके बाद 66 फीसद से ज्यादा लोग बीमा नहीं कराते हैं। इसलिए एक बार में ही वाहन के पूरे साल का थर्ड पार्टी बीमा होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बीमा कंपनियों के वकील ने कहा कि नए वाहन खरीदते वक्त एक साथ 20 साल का बीमा नहीं किया हो सकता, क्योंकि बीमे की दरें प्रत्येक वर्ष घटती-बढ़ती रहती हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर से नए चार पहिया वाहनों के लिए दो साल और दो पहिया वाहनों के लिए पांच साल का थर्ड पार्टी बीमा अनिवार्य करने का दिया है।

आदेश

● चार पहिया वाहनों के लिए दो साल का और नए दो पहिया वाहनों के लिए पांच साल का थर्ड पार्टी बीमा अनिवार्य होगा

२७ जुलाई को लगेगा पूर्ण चंद्रग्रहण

हैदराबाद, २७ जुलाई की करीब आधी रात को पूर्ण चंद्रग्रहण लगेगा जिसके इस सदी के सबसे लंबा चंद्रग्रहण होने की संभावना है। बी. एम. बिड़ला साइंस सेंटर के निदेशक बी. जी. सिद्धार्थ ने यहां बताया कि इस बार चंद्रमा पृथ्वी के ठीक पीछे उसकी प्रच्छाया के मध्य में आ जाएगा और इससे यह जून, 2011 के

बाद पहला मध्य चंद्र ग्रहण होगा। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह ऐसे वक्त हो रहा है जब चंद्रमा पृथ्वी से सबसे दूर है और यह इस सदी का सबसे लंबा पूर्ण चंद्रग्रहण होगा। उन्होंने कहा कि यह पूर्णता अपने आप में एक घंटे 43 मिनट का होगा। यह चंद्रग्रहण अफ्रीका, मध्य एशिया, दक्षिण अमेरिका, यूरोप और आस्ट्रेलिया में नजर आएगा। विज्ञप्ति के अनुसार इस चंद्रग्रहण को पूरे देश से देखा सकता है बशर्ते बादल न छाया हो।

धीर पुरुषों का स्वभाव यह होता है कि वे आपत्ति के समय और भी दृढ़ हो जाते हैं -सोमदेव

पहला अविास प्रस्ताव

नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ पहला अविास प्रस्ताव आ गया है। यह प्रस्ताव उस तेलुगू देशम द्वारा लाया गया है, जो हाल तक इसी सरकार का हिस्सा थी। तेलुगू देशम एवं अविास प्रस्ताव का समर्थन करने वाली अन्य पार्टियों को लोक सभा का अंकगणित मालूम है। यह साफहै कि मोदी सरकार को अविास प्रस्ताव से कोई खतरा नहीं। हां, एक-दो असंतुष्ट सांसद यदि खिलाफ चले जाएं तो पार्टी की थोड़ी किरकिरी हो सकती है। तेलुगू देशम अपने राज्य में यह दिखाना चाहती है कि जिस सरकार ने आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दरजा नहीं दिया हम उससे केवल बाहर ही नहीं आए, उसे गिराने की भी कोशिश की। वास्तव में आंध्र में जगनमोहन रेड्डी ने चंद्रबाबू नायडू को इस मामले पर अतिवाद की सीमा तक जाने को मजबूर कर दिया है। जगनमोहन चंद्रबाबू पर यह कहकर हमला करते रहे कि भाजपा के साथ होकर भी वे आंध्र को विशेष राज्य का दरजा नहीं दिला सके। इसी दबाव में आकर चंद्रबाबू ने राजग छोड़ा और अब अविास प्रस्ताव तक आ गए हैं। जाहिर है, अविास प्रस्ताव का कोई ठोस आधार नहीं है। बावजूद इसके कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल जिस तरह गोलबंदी कर रहे हैं उसका भी कारण साफ है-नरेन्द्र मोदी सरकार और भाजपा के विरु द्ध विपक्ष की एकजुटता का प्रदर्शन। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव एवं उसके बाद 2019 के आम चुनाव को ध्यान में रखते हुए इस अविास प्रस्ताव का राजनीतिक महत्त्व है। विपक्ष सरकार पर आरोप लगाएगा और फिर सरकार सिलसिलेवार ढंग से अपना उत्तर देगी। इससे जहां विपक्ष अविास प्रस्ताव के माध्यम से जनता तक सरकार के विरुद्ध अपनी बातें पहुंचा सकेगा वहीं सरकार भी अपने कामों और उपलब्धियों का लेखा-जोखा पहुंचाएगी। सरकार के रणनीतिकारों के चेहरे पर अविास प्रस्ताव को लेकर अगर मुस्कराहट दिख रही है तो कारण यही है कि उनको इस नाते अपनी बात रखने का पूरा मौका मिलेगा। अगर संसद की कार्यवाही नहीं चलती तो दोनों पक्षों को यह अवसर प्राप्त नहीं होता। हालांकि चुनावी माहौल को देखते हुए इसमें तू-तू-मैं-मैं की ज्यादा संभावना है और यही इसका नकारात्मक पक्ष है। हमारा मानना है कि अविास प्रस्ताव का सही उपयोग हो, विपक्ष तयों के साथ सरकार की विफलताओं को सामने लाए और सरकार भी तयों के साथ ही अपना प्रत्युत्तर दे। इससे जनता को भी अपना सही मत बनाने में सुविधा होगी।

विश्व में छठी बड़ी अर्थव्यवस्था

ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी गांव में छह मंजिली इमारत और उसके साथ लगी निर्माणाधीन सात मंजिली इमारत के औंधे मुंह गिरने की घटना वाकई सन्न करती है। दिल्ली से सटे होने के चलते नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में नौकरीपेशा, कारोबारी और व्यापार करने वालों की नजर में यह इलाका हर दृष्टि से मुफीद लगता है। यही वजह है कि नियमों को ठेंगा दिखाकर बिल्डर बहुमंजिला अवैध और अनधिकृत सोसाइटी का निर्माण करा रहे हैं। यह खेल सालों से चला आ रहा है। अजीब बात है कि शाहबेरी गांव की जमीन का अधिग्रहण सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में रद्द कर दिया था, इसके बावजूद न तो ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अफसरों ने और न प्रशासन ने इस ओर ध्यान दिया। नतीजतन किसानों के खेतों में कॉलोनियां काट कर रेत के महल तैयार होते रहे। शाहबेरी ही नहीं ग्रेटर नोएडा के आठ अन्य गांवों में भी अनाप-शनाप तरीके से मौत की इमारतें बनती रहीं।

सारे अनैतिक काम प्राधिकरण के लालची और भ्रष्ट अधिकारियों की शह पर बेरोकटोक के चलते रहे। सवाल यही पैदा होता है कि घर का सपना देखने वालों का पाप क्या है? क्या लोग इसी तरह बेमौत मरते रहेंगे? मकान भले लोन या रिश्वत से बनते हों मगर घर तो सपनों से बनता है और सपने कभी बेजान नहीं होते। ये और बात है कि सपनों के कत्ल पर कोई मुकदमा नहीं चलता।
कहते हैं, सपनों में अगर लहू होता तो न जाने कितनों के हाथ खून से रंग जाते। पर अफसोस टूटते सपनों, टूटती सांसों से कोई भी सबक नहीं लेता। न नेता और न अफसर। घर का सपना हर कोई देखता है-संजोता है; वह भी एकदम खालिस, मगर लोगों ने बताया कि बिल्डर ने घर दिलाने से लेकर निर्माण करने तक, हर कदम पर मिलावट की थी। घटिया ईंट-पत्थर और मिलावटी सामग्री के इस्तेमाल से बनने वाली इमारतों का यह हश्र होना ही था।

शाहबेरी ही क्यों, देश के कई हिस्सों में भी निर्माण कायरे में ईमानदारी का घोर अभाव है। न तो इमारत बनने वाले स्थान का मृदा परीक्षण होता है, न सेफ्टी नियमों का पालन किया जाता है और न सीवरेज का ध्यान रखा जाता है। कुछ लोगों की गिरफ्तारी और कुछेक अफसरों के निलंबन या तबादलों से काम नहीं चलने वाला। जब तक मानकों का उल्लंघन और कायदे-कानून को रौंदा जाएगा, तब-तब शाहबेरी जैसी घटनाएं होती रहेंगी।

भीड़ के ढांचे का सच

सनातनी सैकड़ों की संख्या में लाठियों में बोरे बांध कर जसीडीह स्टेशन पहुंच गए। बोरों को उन्होंने काले रंग से रंग दिया था। बहाना यह था कि वे काला झंडा दिखाएंगे। इससे पहले गिद्धौर के महाराजा ने सनातनी पंडों की एक मीटिंग की सदारत करते हुए कहा था कि वे अपने सनातनी पंडों के साथ हैं और सनातनियों के निर्णय और आदेश को मानते हुए ये हाथ महात्मा गांधी के विरुद्ध किसी भी हद तक जा सकते हैं। उनके इस कथन ने आग में घी का काम किया था। महात्मा गांधी की देवघर-यात्रा नहीं होने पाए इसके लिए राजेन्द्र प्रसाद ने स्थानीय कांग्रेसी नेता विनोदानंद झा पर दबाव डाला था। पर वे हिम्मत नहीं जुटा पाए थे।

सतीश पेडणोकर

भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी जिस भीड़ ने लगभग अस्सी साल के आर्य समाजी स्वामी अग्निवेश पर झारखंड में हमला किया, वह भीड़ द्वारा हमले की प्रवृत्ति के विस्तार होने का उदाहरण है। यानी उसका सच खुल चुका है। स्वामी अग्निवेश कोलकाता में प्रोफेसर रहे हैं और हरियाणा सरकार में मंत्री रह चुके हैं। मुसलमानों, ईसाइयों, दलितों के खिलाफ हमले के वक्त जय श्रीराम का नारा जिस तरह से भीड़ (एक समूह) लगाती है, वही नारा भागवाधारी अग्निवेश पर हमले के वक्त भी भीड़ लगा रही थी। इस हमले से पहले कोई व्हाट्सएप द्वारा कोई अफवाह नहीं फैली थी। न ही गोमांस का बहाना था। यदि भीड़ द्वारा हमले और हत्या की घटनाओं की पड़ताल करें तो उन घटनाओं के लिए कोई-न-कोई कारण को सामने रख दिया जाता है, लेकिन वह छद्म कारण होते हैं। वास्तविक कारण की तरफ न तो सत्ता पक्ष लोगों को ले जाने देना चाहता है और न ही विपक्ष ही उस तरफ जाना चाहता है। पहली बात तो भारतीय समाज में भीड़ बनाकर हमले की कोशिशों का ढांचा मौजूद रहा है। इसे समझने के लिए दर्जनों उदाहरण हमें देखने को मिल सकते हैं।

नवम्बर 2017 को जब मैं देवघर गया था। वहां एक पुरानी कोठी में सार्वजनिक कार्यक्रम था। कवि मित्र प्रभात सरसी ने उस कोठी की जो ऐतहासिकता बताई, उसे फेसबुक पर भी लिखा।1934 में देवघर के वैद्यनाथ मंदिर (धाम) में हरिजन-प्रवेश के लिए महात्मा गांधी ट्रेन से जसीडीह स्टेशन पर शाम को उतरे थे। सनातनी सैकड़ों की संख्या में लाठियों में बोरे बांध कर जसीडीह स्टेशन पहुंच गए। बोरों को उन्होंने काले रंग से रंग दिया था। बहाना यह था कि वे काला झंडा दिखाएंगे। इससे पहले गिद्धौर के महाराजा ने सनातनी पंडों की एक मीटिंग की सदारत करते हुए कहा था कि वे अपने सनातनी पंडों के साथ हैं और सनातनियों के निर्णय और आदेश को मानते हुए ये हाथ महात्मा गांधी के विरुद्ध किसी भी हद तक जा सकते हैं। उनके इस कथन ने आग में घी का काम किया था। महात्मा गांधी की देवघर-यात्रा नहीं होने पाए इसके लिए राजेन्द्र प्रसाद ने स्थानीय कांग्रेसी नेता विनोदानंद झा पर दबाव डाला था। पर वे हिम्मत नहीं जुटा पाए थे। जसीडीह स्टेशन पर रोशनी के नाम पर केवल एक पेट्रोमेक्स की व्यवस्था थी । स्टेशन के बाहर आठ-दस हजार लोगों की जमा हो गई थी। बड़ी संख्या में संथाल नागरिक भी थे, जो सुदूर गांवों से महात्मा गांधी को देखने आए थे। स्टेशन से बाहर गांधी जी को देवघर ले जाने के लिए एक ऑस्टिन कार की व्यवस्था की गई थी। अंधेरे का लाभ उठाकर सनातनियों ने सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया। कार पर लाठियां बरसने लगीं। चारों तरफ के शीशे चकनाचूर हो गए थे। कार पर सवार सभी लोग कमोबेश घायल हो चुके थे। ठक्कर बापा के कान पर एक जोरदार लाठी का प्रहार हुआ था। वे बराबर के लिए एक कान से बहरे हो गए थे। अगर पांच-सात मिनट और देरी होती तो सनातनियों के हाथों महात्मा गांधी जसीडीह स्टेशन पर ही मार दिए जाते। कार ड्राइवर घायलों को किसी तरह देवघर के बम्पास टाउन की बिजली कोठी तक पहुंचाने में सफल हो पाया। यहां घटना का बहाना मंदिर प्रवेश को रोकना दिखता है। मगर इसकी इस तरह से व्याख्या की जा सकती है कि सामाजिक वर्चस्व की यथास्थिति बनाए रखने के लिए भीड़ बनाकर हमले होते रहे हैं। लेकिन समाज में ही इस तरह के हमलों के खिलाफ एक मजबूत ढांचा मौजूद रहा है जो उस भीड़ को विस्तार की जगह पाने से रोकता रहा। याद करें तो 1990 के सांप्रदायिक उभार के दौर में भी वर्चस्ववादियों द्वारा भीड़ जमा करने और हमले करने की घटनाओं को महज इसीलिए रोका जा सका, क्योंकि विपक्ष में उस वक्त इंडियन पीपुल्स फ्रंट जैसी कुछ ऐसी शक्तियां थीं, जो सड़कों पर नारे लगा रही थीं-जो दंगा करवाएगा, हमसे नहीं बच पाएगा। एक बड़े परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए भीड़ द्वारा हमला और हत्या की वारदातों को इस रूप में देखा जाना चाहिए कि सामाजिक स्तर पर वर्चस्व रखने वाली शक्तियों और 1990 के बाद आर्थिक स्तर पर वर्चस्व रखने वाली शक्तियों ने कैसे भीड़ द्वारा हमले और हत्या के ढांचे को विस्तार दिया है? इन वारदातों के चरित्र को केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच फंसाकर रखने से वास्तवकिता पर पर्दा पड़ा रह सकता है। याद करें कि राज्यों में भाजपा और केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के मिले-जुले प्रयासों से छत्तीसगढ़ में एक हथियारबंद भीड़ को लगातार विस्तार देने के प्रयास हुए। कभी जन जागरण, कभी सलवा-जुडूम के नाम से। वास्तविक अर्थ में खदानों के ऊपर सदियों से बसे आदिवासियों व उनके शुभचिंतक ईसाइयों को हमले और हत्या की शिकार बनाया जाता रहा। दरअसल,

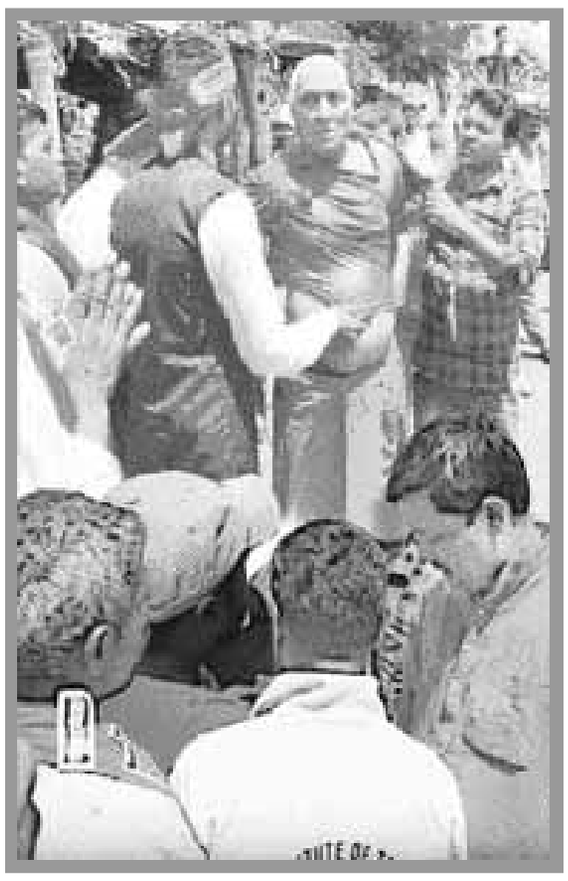

यह देखने को मिला कि जिनके खिलाफ हमले और हत्या के लिए भीड़ जुटाई जाती रही है, उनका नाम भर बदल दिया गया ताकि उसमें संवैधानिक तंत्रों की भी भूमिका सुनिश्चित की जा सके। छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में यह नाम माओवाद और हिंसा के रूप में बदलता दिखाई दिया। हर वह संगठन व व्यक्ति माओवादी करार दिया जाने लगा, जो आर्थिक लूट के खिलाफखड़ा हुआ था। इस कड़ी में जिलाधिकारी ब्रह्मदेव शर्मा, जिनका कसूर महज यह था कि वे सामाजिक और आर्थिक वर्चस्व की यथास्थिति के खिलाफ सरकार की योजनाओं को लागू करने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन उन्हें भीड़ द्वारा नंगा किया गया। केंद्र में नई आर्थिक नीतियों के पक्षधर मनमोहन सिंह और राज्यों में आर्थिक नीतियों की कट्टर समर्थक भाजपा की सरकारों ने समाज में उस ढांचे को राष्ट्र व विकास के नाम तहस-नहस कर दिया, जो कि भीड़ बनाकार हत्या और हमले के ढांचे की जगह बनने से रोकते रहे हैं। हिन्दुत्व, गोमांस, अफवाह आदि जिन कारणों को ऐसी वारदातों के समय विमर्श के लिए पेश किया जाता है, उस पूरे विमर्श के दौरान भीड़ द्वारा हमले की वारदातों के क्रमिक विस्तार पर नजरों को फेर लिया जाता है। सामाजिक और आर्थिक वर्चस्व के गठजोड़ ने पूरे सुरक्षा तंत्र को अपने दिशा-निर्देशों और अपने सुरक्षा में लगे रहने के लिए विवश कर दिया है। संवैधानिक तंत्र के खिलाफजो निराशाजनक भाव विकसित होता है, उसकी वजह है कि विपक्ष भी भीड़ द्वारा हमले के ढांचे को संपूर्णत: में तहस-नहस करने के लिए सड़कों पर नहीं उतरता है। वह उसे वोट की लड़ाई तक सीमित रखना चाहता है। भाजपा के ऐसे वारदात में शामिल होने या खामोशी ओढ़ने के हालात पर इसीलिए कोई फर्क भी नहीं पड़ता है। लेकिन इतिहास का एक सच है कि भीड़ तो भीड़ होती है और उसके लिए सब बराबर है।

चलते चलते

आस्था

हाल में उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने कर्मकांड में भेदभाव पर ऐतिहासिक निर्णय देते हुए किसी वर्ग विशेष के पुजारी की मिल्कियत को खारिज कर दिया। यह बेहद अफसोसनाक है कि आज भी देश के कुछ पूजा स्थलों पर भेदभाव बरकरार है। कहीं दलित तो कहीं महिलाओं के मंदिर में प्रवेश पर लगी।

हिन्दू समाज में मंदिर-मूर्ति को आस्था के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है। लोगों में आस्था इस कदर है कि हर बात और तय को सही मान बैठता है। यही वजह है कि मंदिर-मूर्ति के संरक्षक खुद को भगवान सरीखा मानने लगे हैं। वह इतने ताकतवर हो गए हैं कि अनुयायियों के लिए नियम-कायदे तय करने लगे हैं। हाल में उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने कर्मकांड में भेदभाव पर ऐतिहासिक निर्णय देते हुए किसी वर्ग विशेष के पुजारी की मिल्कियत को खारिज कर दिया। यह बेहद अफसोसनाक है कि आज भी देश के कुछ पूजा स्थलों पर भेदभाव बरकरार है। कहीं दलित तो कहीं महिलाओं के मंदिर में प्रवेश पर लगी परम्परागत वर्जना के नाम पर। मंदिर तो हर किसी का है। पुरुषों का भी और महिलाओं का भी। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से भेदभाव के मामले में इसे महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों का हनन करने वाला बताया और छुआछूत की श्रेणी में रखा। न्यायालय ने मंदिर को सार्वजनिक स्थल करार देते हुए बिना लिंग भेद के प्रवेश की इजाजत की बात की। यह बड़ा और बेहद महत्त्वपूर्ण फैसला है। न केवल मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के संदर्भ में वरन समाज में उनकी बेहतरी के लिएभी यह दूरगामी निर्णय है। मालूम हो कि सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 साल तक की महिलाओं का प्रवेश निषेध है। इस 800 साल से चले आ रहे निषेध के पीछे का तर्क भगवान अयप्पन ब्रह्मचारी होना और महिलाओं के मासिक धर्म को बताया जाता है। मान्यताएं निजी रूप में सही हो सकती हैं,लेकिन उसकी व्यापक सामाजिक स्वीकारता आधुनिक समाज के मापदंडों पर खरा उतरना चाहिए। 2016 में महाराष्ट्र के शनि शिंगणापुर मंदिर और हाजी अली दरगाह में महिलाओं के प्रवेश को लेकर खासी बहस हो चुकी है। विश्वास और आस्था तभी तक ठीक है, जब तक किसी से भेदभाव ना करे। जब विास और आस्था अपनी सीमा का अतिक्रमण करने लगे तो उसे दुरुस्त करने में देर नहीं करनी चाहिए। तीन तलाक हो या हलाला। समानता के लिए मुखर होती आवाजों की अनसुनी अब आसान नहीं होगी।

सत्संग

''संस्कार'

आपके साथ क्या हो रहा होगा, इस पर व्यक्तिगत रूप से देखे जाने की जरूरत है। मगर यह संभव है कि शरीर में जबर्दस्त बदलाव हो सकते हैं। मैं आपको दिखा सकता हूं कि शक्तिशाली दीक्षा से गुजरने पर चौबीस घंटों के अंदर कई लोगों के चेहरे बदल जाते हैं। वे चौबीस घंटे पहले जैसे दिखते थे, उससे काफी अलग दिखने लगेंगे। शरीर में इतना बदलाव आ सकता है। मैं अपने अनुभव अधिक अच्छी तरह बता सकता हूं। जब पैंतीस साल पहले मेरे अंदर चीजें घटित हुई, तो मेरे शरीर से जुड़ी हर चीज में बदलाव आ गया। मेरे बदलाव दूसरे लोगों को साफ-साफ दिखाई दे रहे थे। आवाज में बदलाव आने वाली उम्र मैं पार कर चुका था, फिर भी मेरी आवाज बहुत अलग तरीके से बदल गई। मेरी आंखों का आकार बदल गया। मेरी चाल-ढाल इतनी बदल गई कि मैं कोशिश करने के बावजूद अपने पुराने तरीके से नहीं चल पा रहा था। मेरे शरीर का आकार कई तरह के सूक्ष्म तरीकों से बदल गया। मेरे दिमाग का आकार तो निश्चित रूप से बदल गया था, इस पर कोई संदेह ही नहीं था। ऊर्जा की दखलअंदाजी से हमारे अंदर मौजूद क्रमिक-विकास संबंधी याद्दाश्त और जेनेटिक याद्दाश्त पूरी तरह बदल सकती है। याद्दाश्त के ये दो आयाम ही हैं जो हमें कई रूपों में सीमित और प्रभावित करते हैं। इनके प्रभाव को आप समझ भी नहीं पाते। उससे मुक्त होना या उससे अलग होना योगाभ्यास का एक बहुत महत्त्वपूर्ण पहलू है। आप ऐसी न से दूरी कैसे बना सकते हैं, जिसके बारे में आप जानते भी नहीं हैं, जो आपके शरीर की हर कोशिका में धड़कती है? लोग आम तौर पर ''संस्कार' शब्द को गलत तरह से समझते हैं। उसे दो पहलुओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस शब्द का मतलब वह जेनेटिक याद्दाश्त है, जो पिछली पीढ़ियों से हमें मिलता है। जैसे कोई प्रतिभाशाली बच्चा है, जो बचपन से ही बहुत अच्छा गाता है, तो लोग आम तौर पर उसके लिए कहते हैं ''अरे यह उसके संस्कार हैं जिसके कारण यह ऐसा गाता है। क्योंकि वास्तव में उनमें कोई अंतर नहीं है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि हमारे पूर्वजों की कई स्मृतियां और अनुभव हमारे भीतर आते हैं।

फोटोग्राफी...

पानी 'च खड़ी कर दिज़ी कार

फॉर कॉमिक कॉन...अमेरिकी शहर सेन डिएगो में होने वाली कॉमिक कॉन के लिए तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। कन्वेंशन सेंटर में पानी में खड़ी की गई कार वाली इंस्टालेशन तैयार की गई जिसे काफी पसंद किया गया।

आधुनिक चिकित्सा पद्धति

आधुनिक एंटीबॉयोटिक युग की शुरुआत पेनिसिलिन की खोज के साथ ही दो नामों अलेक्जेंडर फ्लेमिंग तथा पॉल एर्हलिच के साथबाबस्ता हो गई। आधुनिक चिकित्सा पद्धति में संभवत: यह सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण खोज थी। माना गया कि एंटीबॉयोटिक जादू की ऐसी गोली हैं, जो रोगी पर कोई कुप्रभाव छोड़े बिना बीमारी का कारण बने रोगाणुओं को चुन कर निशाना बनाती हैं। संक्रमण/रोगाणुओं से निजात पाने में एंटीबॉयोटिक मानव सभ्यता के लिए वरदान हैं, जिनसे लाखों लाख लोगों को त्राण मिला है। पर आज हम एंटीबॉयोटिक की इस शानदार सफलता से संकट ग्रस्त हैं। एंटीबॉयोटिक के अतिरेकी उपयोग के खतरों की तरफअधिकतर डॉक्टरों और रोगियों का ध्यान नहीं जा रहा। एंटीबॉयोटिक का प्रमुख लक्षण यह है कि समय के साथ उनकी प्रभावशीलता में कमी आने लगती है। इनके इस्तेमाल में अति सतर्कता लाजिमी है। एकदम जरूरी होने पर ही इनका नुस्खा लिखा जाना चाहिए। कीटाणुओं से हुए कुछेक संक्रमणों तथा न्यूमोनिया जैसे गंभीर संक्रमण के उपचार के लिए ही एंटीबॉयोटिक के इस्तेमाल की जरूरत पड़ती है। संक्रमण के शिकार होने के जोखिम वाले तथा सर्जरी करवा चुके लोगों के लिए भी एंटीबॉयोटिक जरूरी होते हैं। अमेरिका में हर साल बीस लाख से ज्यादा लोग ऐसे कीटाणुओं की चपेट में आ जाते हैं, जिन पर एंटीबॉयोटिक असर नहीं कर पाते। नतीजतन, इनमें से तेइस हजार लोगों की मौत हो जाती है। नया विकल्प एकदम से मिल नहीं रहा। लेकिन ज्यादा चिंता की बात यह है कि अनेक लोग, रोगी तथा डॉक्टर इस संदेश को गंभीरता से नहीं ले रहे। कीटाणुओं में एंटीबॉयोटिक के मुकाबले प्रतिरोधी क्षमता विकसित हो जाने की सूरत में एंटीबॉयोटिक का उपचार जारी रहने पर रोगियों की हालत और बिगड़ जाने का अंदेशा पैदा हो जाता है। विकासशील देशों में धड़ल्ले से एंटीबॉयोटिक की बिक्री होती है। डॉक्टर की सलाह बिना ही लोग इनका इस्तेमाल करने लगते हैं। एंटीबॉयोटिक की प्रतिरोधी क्षमता विकसित कर चुके कीटाणु से रोगग्रस्त हुए व्यक्ति का उपचार मुश्किल हो जाता है। न केवल इतना बल्कि ऐसा विषाणु/कीटाणु अन्य स्वस्थ लोगों को भी चपेट में ले सकता है। एक समस्या यह देखने में आती है कि डॉक्टर को जब रोगी की बीमारी समझ नहीं आती है, तो वह झट एंटीबॉयोटिक का नुस्खा लिख देता है। सर्दी-जुकाम और ब्रोकांइटिस के लक्षण ऐसे हैं, जो न्यूमोनिया से बिल्कुल मिलते हैं। ऐसे में एंटीबॉयोटिक की सलाह देने पर न्यूमोनिया जैसे खतरनाक रोग की चपेट में आने की आशंका उठ खड़ी होती है। सांस संबंधी शिकायतें विषाणुओं से होती हैं, न कि कीटाणुओं से। ऐसे में इन बीमारियों के लिए एंटीबॉयोटिक का इस्तेमाल उपयोगी नहीं हो सकता। विश्व स्वास्य संगठन ने चेताया है कि अभी हम नहीं चेते तो पोस्ट-एंटीबॉयोटिक युग से सतत संक्रमण का माहौल बन जाएगा और छोटी-मोटी चोटें भी मौत का सबब बन जाएंगी। लोगों को डॉक्टर के मना करने के बाद एंटीबॉयोटिक का कदापि इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। साफ-सफाई रखें ताकि कीटाणु-जनित संक्रमण न होने पाए। हालत सुधरने की बात आपके लिए भी सही साबित हो। फार्मासिस्टों की भी जिम्मेदारी है कि हमार समाज एंटीबॉयोटिक प्रतिरोधी न बनने पाए। सरकार को अपनी नीतियों को सख्त करना होगा। न केवल इतना बल्कि इन नीतियों के क्रियान्वयन की ओर भी ध्यान देना होगा। भारत के लिए जरूरी हो गया है कि ''क्रियान्वयन योग्य नीति लागू' करे न कि ''संपूर्ण नीति'।

संक्षिप्त

२३ को आएंगे उपमुख्यमंत्री

मिर्जापुर, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य २३ जुलाई को चुनार स्थित सक्तेशगढ़ आश्रम में आएंगे। वहां वे सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर अड़गड़ानंद आश्रम में दर्शन पूजन करेंगे। उसी जगह सत्संग हाल में विभागीय अधिकारियों से बैठक कर दोपहर एक बजे पत्रकारों से बातचीत करेंगे। उसके बाद मड़िहान के बसहीं ग्राम स्थित अंबरीश जी के निवास पर जाकर उनसे भेंट करेंगे और फिर वहां से वापस आकर दोपहर दो बजकर पांच मिनट पर लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

बिच्छू के डंक से बालक की मौत

बदलापुर (जौनपुर), क्षेत्र के बनगांव भूमिहार में बिच्छू के डंक से पीड़ित बालक की उपचार के दौरान रात मौत हो गई। उक्त गांव निवासी अनिल वनवासी के चार वर्षीय पुत्र को बीते सोमवार की शाम खेलते समय बिच्छू ने डंक मार दिया था। कुछ ही देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे जिला मुख्यालय स्थित एक निजी चिकित्सालय ले गए। उपचार के बाद भी हालत में सुधार न होने पर चिकित्सक ने वाराणसी रेफर कर दिया था। जहां उसने दम तोड़ दिया। मौत की खबर आते ही घर पर कोहराम मच गया।

यूनिसेफ की केंद्रीय टीम ने देखी हकीकत

ज्ञानपुर (भदोही), परिषदीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय जोरई में आई यूनिसेफ की केंद्रीय टीम ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता की हकीकत देखी। साफ-सफाई आदि के बेहतर मिलने पर संतोष जताया। यूनिसेफ की पेयजल एवं स्वच्छता विशेषज्ञ प्रतिभा सिंह के नेतृत्व में आई टीम ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई, शौचालय की व्यवस्था, रंगाई-पोताई आदि को देखा। साथ ही बच्चों से विद्यालय में लगे एक्केरियम व शैक्षिक गतिविधियों से संबंधित प्रश्न पूछे। बच्चों के जवाब पर संतोष जताया। इस अवसर पर कुमार विक्रम, अजीत कुमार, प्रधानाध्यापक इंद्रमणि वर्मा, प्रधान पति रामधनी यादव, आरती गुप्ता आदि थीं।

छत से गिरा किशोर, मौत

शहाबगंज (चंदौली), मसोई गांव में कल देर रात छत से गिरने से नितेश कुमार उर्फ मटरु (१६) की मौत हो गई। वह नित्य की भांति अपने घर की छत पर सोया था। रात्रि में शौच को नीचे जा रहा था कि छत की घेराबंदी नहीं होने के कारण अचानक गिर गया। आनन-फानन में परिजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए पर चिकित्सकों ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। गांव निवासी विमलेश सिंह का इकलौता पुत्र अपने मकान की छत पर सोया हुआ था। घर के अन्य सदस्य आंगन में सोए हुए थे। आशंका जताई जाती है कि गहरी नींद में होने के कारण किशोर को छत की घेराबंदी नहीं होने का भान नहीं हो सका और उसका पैर आंगन की ओर बढ़ गया। इससे वह आंगन में जा गिरा। तेज आवाज के साथ किशोर के चीखने, चिल्लाने से परिजन जग गए। नितेश गांधी स्मारक इंटर कालेज में 10 वीं का छात्र था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मां व एकलौती बहन बेसुध हो गई। शोक में गांव में चूल्हे नहीं जले।

विषधर ने ले ली विवाहिता की जान

जयसिंहपुर (सुल्तानपुर), घर में सो रही विवाहिता को जहरीले जंतु ने काट लिया। इसकी जानकारी होते ही परिजन आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र में कल भोर में परसौहां गांव निवासी सुनीता (२४) पत्नी संतोष कुमार अपने खपरैल घर में सो रही थी। तभी किसी जहरीले जंतु ने उसे काट लिया। जानकारी होने पर परिजन आनन-फानन में उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान सुनीता की मौत हो गई।कल देर शाम परिजन मृतका को घर ले आए और उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

करंट से सैलून संचालक की मौत

संडवा चंद्रिका (प्रतापगढ़), अंतू थाना क्षेत्र के मनीपुर अर्जुनपुर गांव में कल शाम फर्राटा पंखे में उतरे करंट से सैलून संचालक की मौत हो गई। हफ्ते भर पहले उसके पिता की मौत हार्टअटैक से हुई थी। हफ्ते भर में दो मौतों से परिजनों में मातम छा गया। उक्त गांव निवासी शिवराम शर्मा (५०) पुत्र मेवालाल ने चंद्रिकन बाजार में सैलून खोल रखा था। कल शाम वह धान के बेरन की रोपाई के लिए खेत में पानी भरने को शिवमूरत सिंह के पंपिंग सेट पर गया था। वहां फर्राटा पंखा चल रहा था। गर्मी के कारण हवा लेने के लिए वह पंखा अपनी ओर घुमाने जा रहा था। जैसे ही उसने पंखे को हाथ लगाया, पंखे में उतरे करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर परिजन व प्रधान राम सिंह मौके पर पहुंचे। उसे सीएचसी संडवा चंद्रिका ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

गोरखपुर, जिले के बेलघाट थाना क्षेत्र के धमचिया निवासी सोनमती पत्नी रामगति की तहरीर पर पुलिस ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है। तहरीर में उन्होंने लिखा है कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी रवि यादव पुत्र केदार यादव के साथ 18 माह पूर्व हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार दान दहेज दे कर की थी। विवाह के बाद से ही ससुराली उसे कम दहेज ले आने का दबाव बनाते रहे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पिता-पुत्र पर मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

सऊदी अरब कमाने गए युवक की करंट से मौत

महराजगंज, पनियरा थानांतर्गत ग्रामसभा लक्ष्मीपुर खास निवासी आजाद चौहान पुत्र दिलीप चौहान (२६) सऊदी अरब में टाइल्स लगाने का कार्य करता था। वह सऊदी अरब के रियाज में पेट्रोल पंप पर टाइल्स लगा रहा था कि अचानक हाई वोल्टेज विद्युत की चपेट में आने से मौत हो गई। आजाद के सऊदी अरब में रहने वाले रिश्तेदारों ने परिजनों को हादसे की जानकारी दी। गांव में आजाद के मौत की खबर सुनकर सभी लोग मृतक के घर दौड़ पड़े। परिजनों ने शव को लाने के लिए प्रशासन से संपर्क कर गुहार लगाई है।

जैविक उर्वरकों को बढ़ावा दे रही प्रदेश सरकार-राज्यमंत्री

अंबेडकरनगर, नवीन तकनीक व जैविक उर्वरकों का प्रयोग कर कम लागत में किसान अधिक उत्पादन पा सकते हैं। सरकार जैविक उर्वरक की तरफ तेजी से बढ़ रही है। इसके लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा है। उक्त बातें कृषि राज्यमंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह (धन्नी सिंह) ने लोहिया भवन में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं उन्होंने कहा कि किसान खेतों में अवशेष फसल न जलाएं, इससे खेतों की पोषक तत्व नष्ट हो जाता है। उन्होंने जैविक विधि से खेती करने के बारे में बताया। इसके अलावा सरकार की नीतियों का भी बखान किया। कहा केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुना करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इसके लिए कई योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। किसानों का आह्वान किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। गोष्ठी में आलापुर विधायक अनीता कमल ने भी किसानों की आय बढ़ाने पर चर्चा किया। भाजपा जिला महामंत्री राणा रणधीर सिंह ने बताया कि यह जिला

सब्जी के उत्पादन में बड़े पैमाने पर करता है। जिसमें मिर्ची, गोभी, करेले, गन्ना व केले की खेती से उत्पादन में पहले स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि बस्ती में दो ऐसे किसान है जो जैविक खेती से ही खेती करते हैं। उप कृषि निदेशक रामदत्त बागला ने कहा कि जैविक खेती कर किसान बेहतर उत्पादन पा सकते हैं। इसको बढ़ावा देने के लिए वर्मी कंपोस्ट उर्वरक के बारे में किसानों को जानकारी दी जा रही है। इस मौके पर आदित्य शुक्ल, लीलावती, पीडी प्रदीप कुमार पांडेय, रामजीत, डा. विद्यासागर, डा. शैलेंद्र सिंह, जिला सलाहकार अनुज कुमार सिंह, रविमणि त्रिपाठी, सुनील कुमार मौर्य, अशोक सिंह, रामजीत मौर्य, गणेश वर्मा, वरिष्ठ सहायक आनंद कुमार पांडेय, सुनील वर्मा, प्रमोद कुमार, हरिशंकर यादव, निधि सारस्वत, शिरीष त्रिपाठी, राजेश वर्मा, विक्रमादित्य वर्मा, कृषक अजय कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, जगत नारायण शुक्ल, सुमित पांडेय, रामदयाल वर्मा, राम मगन वर्मा सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

प्लग लगाते समय लगा करंट, महिला की मौत

बस्ती, थाना क्षेत्र के बेलसड़ गांव में कल दोपहर टेबिल फैन लगाते समय प्लग में उतरे करंट की चपेट में आ जाने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। महिला को छुड़ाने के चक्कर में उसकी बेटी भी झुलस गई। माझा गांव निवासी रामदेव निषाद बेलसड़ में घर बना कर वहीं रहते हैं। वहीं एक कपड़े की दुकान संचालित करते हैं। परिवार भी उनके साथ ही रहता है। दोपहर उनकी पत्नी सरोज देवी टेबिल फैन चलाने के लिए प्लग लगाकर स्विच आन करने वाली थी कि उसी दौरान उसमें न जाने कैसे करंट उतर गया, जिसकी चपेट में वह आ गई। उसके चिल्लाने पर (१४) बेटी मंजू भी उसे बचाने पहुंच गई, लेकिन करंट के झटके से वह दूर जा गिरी। घटना में सरोज की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बेटी मंजू का इलाज कप्तानगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चल रहा है। महिला की मौत से पांच बेटियों के सिर से मां का साया उठ गया है। पति रामदेव के अलावा बेटी सुमन (१६), संजू (१२), आंचल (५), अमृता (१) का रो-रो कर बुरा हाल है।

बलिया से शुरू होगी तानाशाही सरकार के खिलाफ जंग-रामगोविंद

बिल्थरारोड (बलिया), नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने कहा कि बागी बलिया ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए देश के आजाद होने से पहले ही आजाद हो गया था। इसकी मिट्टी ने पूर्व पीएम चंद्रशेखर, चित्तू पांडेय, मंगलपांडेय, शारदानंद अंचल व गौरी भैय्या सरीखे अनेक दिग्गजों को जन्म दिया है और गरीबों, शोषितों के न्याय व विकास के लिए अनेक संघर्ष किए। आज बलिया इतना कमजोर नहीं हो सकता। देश व प्रदेश के तानाशाही सरकार के खिलाफ एकबार फिर से जंग की शुरुआत बलिया से ही होगी। वे कल सीयर ब्लाक पर पूर्व मंत्री शारदानंद अंचल के 71वीं जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कहा कि स्व. शारदानन्द अंचल समाजवादी विचारधारा के बड़े नेता थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्व. अंचल के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। पूर्व मंत्री जियाउद्दीन रिजवी ने कहा कि झूठ के बदौलत सरकार में आई बीजेपी की हकीकत अब सभी जान चुके है। पूर्व मंत्री नारद राय ने कहा कि स्व. अंचल जी गरीबों के मसीहा थे। आज हम लोगों को उनकी कमी खल रही है। उन्हें दलित, शोषित, पीड़ितों की आवाज बताते हुए कहा कि वे समाजवादी आन्दोलन के पुरोधा थे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष संग्राम

सिंह यादव, पूर्व विधायक छोटेलाल राजभर, गोरख पासवान, सनातन पांडेय, लक्ष्मण गुप्ता, ब्लाक प्रमुख विनय प्रकाश अंचल, अल्ताफ अंसारी, राजेन्द्र मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष आद्याशंकर यादव, चन्द्रशेखर सिंह, पूर्व जिलापंचायत अध्यक्ष राजमंगल यादव, राजनाथ यादव, मनोज कन्नौजिया, ओमप्रकाश यादव, आनन्द यादव, मतलूब अख्तर, अमलेश चौहान व ध्रुव यादव आदि ने संबोधित किया। बैरिया के पूर्व विधायक जयप्रकाश अंचल ने आगंतुकों के प्रति आभार जताया।

पालीटेक्निक में प्रवेश से रोका, पहुंचे विधायक

कौशांबी, मेरिट में आने के बावजूद पालीटेक्निक टेंवा में प्रवेश रोका तो चायल विधायक भड़क गए। वह मौके पर पहुंचे और छात्र को एडमीशन कराया। साथ ही वहां के एडमीशन प्रभारी की शिकायत उच्च अधिकारियों से की। सराय अकिल निवासी कार्तिकेय त्रिपाठी का पालीटेक्निक परीक्षा में चयन हुआ था। वह कालेज में एडमिशन लेने गया तो एडमिशन समिति के सदस्य रवींद्र कुमार ने उसकी हाईस्कूल की मूल अंक पत्र न होने से एडमिशन से रोक दिया। कहा कि एक घंटे में उसे लेकर आओ। वह बाइक से अपने घर गया और वह अंकपत्र लेकर लौटा तो उसका एक्सीडेंट हो गया। इसके बाद भी कालेज पहुंच गया। उसकी हालत देखकर रवींद्र कुमार ने एडमिशन देने की बात कहते हुए वापस कर दिया। आरोप है कि कल जब वह एडमिशन लेने के लिए पहुंचा तो सीट भर जाने की बात कहते हुए उसे लौटा दिया गया। उसमें इसकी शिकायत चायल विधायक संजय गुप्ता से की। कुछ देर में विधायक पालीटेक्निक पहुंच गए। उन्होंने न सिर्फ एडमिशन प्रभारी को फटकार लगाई बल्कि कार्तिकेय का एडमिशन भी करा दिया। इसके साथ ही कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए विभागीय मंत्री व अधिकारियों को भी पत्र भेजने की बात कही है।

जिला अस्पताल में गायब मिले ६ डाक्टर

अमेठी, जिलाधिकारी ने संयुक्त जिला अस्पताल व जलनिगम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक समेत छह चिकित्सक व पांच कर्मचारी अनुपस्थित मिले। डीएम ने जिला अस्पताल की दशा देख अन्य एसडीएम को सीएचसी का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। डीएम शकुंतला गौतम ने असैदापुर स्थित जिला अस्पताल का सुबह औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डा. आरके सक्सेना, डा. शमी आसिया, डा.निधा तसनीम, डा. प्रेमपाल सिंह, डा. वीर विक्रम सिंह तथा हिना एस को अनुपस्थित रहने पर एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। मौके पर मौजूद मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरएम श्रीवास्तव को अस्पताल में कार्यरत डाक्टरों

का ड्यूटी चार्ट बनाकर परिसर के बाहर चस्पा करने के निर्देश दिये। डीएम ने वार्डों में भर्ती मरीजों का हाल-चाल जाना और उन्हें मिलने वाली समस्त सुविधाओं की जानकारी ली। यहां से निकलकर वे जलनिगम कार्यालय पहुंचीं, जहां कैश बुक, लेखा कक्ष, कंप्यूटर कक्ष, कैशियर कक्ष का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लेखाकार परमत्थ द्विवेदी पर लापरवाही पर कठोर चेतावनी देने के निर्देश दिये। इसके बाद उन्होंने जल निगम कार्यालय स्थित जनपदीय जल परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया, जिसमें सैंपल का पानी प्लास्टिक की बोतल में मिलने पर लैब टेक्नीशियन महेंद्र सिंह को कड़ी फटकार लगाते हुए काच की बोतल में नमूना पानी रखने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने जापानी बुखार के चिह्नित दस गांवों और खुले में शौचमुक्त हो चुके गांवों के हैंडपंपों का पानी नमूना जाच के लिए न लाने पर सहायक अभियंता एसडी पांडेय को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश दिए।

अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरफ्तार, तमंचा, कारतूस सहित बोलेरो बरामद

मिर्जापुर, जिगना थाना पुलिस को वाहन चेकिंग के दौरान चोरी की बोलेरो के साथ अंतरजनपदीय वाहन चोर हत्थे लगा है। उसके पास से तमंचा और कई कारतूस बरामद हुए हैं। पकड़ा गया चोर इसके पूर्व में मध्य-प्रदेश और बिहार में चोरी की घटना को अंजाम दे चुका है। एएसपी सिटी प्रकाश स्वरुप पांडेय ने पुलिस लाइन के मनोरंजन कक्ष में मीडिया कर्मियों के समक्ष गिरफ्तार चोर को पेश किया। बताया कि जिगना थाना प्रभारी मधूप सिंह दल-बल के साथ शाम सात बजे कुशहां मोड़ पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे, तभी सूचना मिली कि शातिर वाहन चोर चोरी की बोलेरो के साथ बिहार जाने के फिराक में है। इस पर वे सतर्क हो गए। कुछ देर बाद इलाहाबाद की तरफ से बोलेरो आती दिखाई दी। इसको रोकने का इशारा किया तो चालक कुछ दूर पहले ही गाड़ी को रोक दिया और उसमें बैठे लोग कूदकर भागने लगे। एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से बारह बोर का तमंचा और एक कारतूस तथा वाहन की चाबी बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम आशीष तिवारी निवासी खजुरी खुर्द थाना कोरांव इलाहाबाद का निवासी बताया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर रिहा हो सकते हैं ४० बंदी

सोनभद्र, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर देश में बड़े पैमाने पर कैदियों की रिहाई होगी। ऐसा फैसला कैबिनेट की मीटिंग में सरकार ने लिया है। इस फैसले से जिले के गुरमा स्थित कारागार में निरुद्ध कुल 640 बंदियों में करीब चालीस बंदी रिहा हो सकते हैं। ..क्योंकि इनकी उम्र 60 साल से अधिक है। यहां के जेल में महिला कैदियों की संख्या शून्य है। सभी महिला कैदी मिर्जापुर के जिला जेल में ही निरुद्ध हैं। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसले के अनुसार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर को कुछ कैदियों को रिहा किया जायेगा। इसमें 60 साल से अधिक पुरुष कैदी व 55 साल से अधिक उम्र की महिला कैदी को शामिल किया जाएगा। इसके लिए शर्त यह रहेगी कि सजा का आधे से अधिक समय गुजार चुके हों। रिहाई तीन चरण में की जानी है इसलिए पहले चरण में कितने कैदियों को रिहा किया जायेगा यह अभी तय नहीं हो सका। गुरमा जिला जेल के जेलर रमाकांत दोहरे ने बताया कि कारागार में

कुल 640 कैदी हैं। इसमें से करीब चालीस कैदियों की उम्र 60 साल से अधिक हो चुकी है। राष्ट्रपिता की जयंती पर रिहाई के लिए क्या शर्त होगी, किस तरह से रिहाई की जाएगी यह उच्चस्तर से आदेश आने के बाद ही बताया जा सकता है। कहा कि जिला कारागार में महिला बंदियों की संख्या शून्य है।

८० परिवारों में पहुंची उज्ज्वला

रानीपुर (मऊ), प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्ज्वला योजना महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। आज आलम यह है कि गरीब से गरीब से धुआं उठता नहीं दिखता। यह साकार हुआ है उज्ज्वला योजना के जरिए। इससे जहां ऐसे लाभों से वंचित महिलाएं गैस सिलेंडर पर खाना पका रही है तो धुआं से भी मुक्ति मिली है। यह बातें जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी रही सुनीता गुप्ता ने

कही। वे मां जानकी इंडियन सर्विस रानीपुर के सहयोग से सरसेना बाजार में गरीब परिवार की महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन बांटे गए। बबलू गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार की इस योजना ने अमीर-गरीबों की खाई को पाटने का कार्य किया है। मां जानकी इंडियन सर्विस द्वारा सरसेना, अकबरपुर, उमती, रायपुर, गोकुलपुरा आदि में कुल ८० परिवारों की महिलाओं को गैस सिलेंडर, चूल्हा, पाइप आदि वितरित किए गए।

१० हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

आजमगढ़, दीदारगंज थाने की पुलिस ने कल दिन में गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे १० हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाश के खिलाफ तीन अलग-अलग आपराधिक घटनाओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। पकड़ा गया बदमाश अली रजा उर्फ तिलठू पुत्र बेचन कुरैशी ग्राम चितारा महमूदपुर थाना दीदारगंज का निवासी बताया गया है। गैंगस्टर एक्ट के मुकदमा में वह काफी दिनों से वांछित चल रहा था। फरार उक्त बदमाश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक रविशंकर छवि ने उसके खिलाफ दस हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गुरुवार की सुबह दीदारगंज थानाध्यक्ष राज कुमार सिंह ने अपने सहयोगी पुलिस कर्मियों के साथ उक्त बदमाश के घर पर छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस ने दस हजार रुपये के इनामी उक्त बदमाश को उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया।

गरीबों की सेवा सच्चा गांधीवाद-मुनियप्पा

रुदौली (फैजाबाद), सामाजिक संस्था देववृज जनसेवा संस्थान के संस्थापक व प्रख्यात गांधीवादी पं देवनारायण शुक्ल की श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न राजनीतिक दलों का जमावड़ा लगा। मवई ब्लाक के नौगवाडीह निवासी दिल्ली तीर्थयात्री बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष दयानंद शुक्ल

के पिता स्व. शुक्ल को श्रद्धासुमन अर्पित करने आए पूर्व केंद्रीय रेल राज्यमंत्री केएच मुनियप्पा ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा, गरीबों की सेवा सच्चा गांधीवाद है। गांधीवादी देवनारायण की समाजसेवा में अग्रणी भूमिका सराहनीय रही। उनकी कमी यहां की आवाम को सदैव खलेगी। मुनियप्पा ने कहा कि उम्मीद हैं कि उनके योग्यपुत्र गण उन्हीं की तरह समाज के गरीब तबके की सेवा का काम करते रहेंगे। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि शुक्लजी की भरपाई नहीं हो सकती। इस मौके पर दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के निजी सचिव एके त्रिपाठी, मिजोरम के मुख्य सचिव अरविंद रे, इंदौर मध्यप्रदेश के सभासद आशीष मिश्र, महाराष्ट्र के संदीप अग्रवाल, गुजरात कांग्रेस कमेटी के सचिव राजेश बाघेला, कांग्रेस के प्रदेश सचिव राजेंद्रप्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष रामदास वर्मा, सुनील पाठक, उग्रसेन मिश्र, मोहम्मद शरीफ, शिवकुमार शुक्ल, कारिब करनी, जयकरन वर्मा, राजकुमार पांडेय, वीरेंद्र सिंह, वेद सिंह कमल, इरफान कुरैशी, भीम शुक्ल, पूर्व ब्लाक प्रमुख कमलेश यादव, पीसीसी मुनीर खां, कारिब करनी, राकेश बंसल, सुशील त्रिवेदी, आदिनाथ मिश्र, मो. इस्तिफा खां, मुजतबा खां आदि उपस्थित थे।

गैस रिसाव से सिलेंडर में लगी आग, नर्स झुलसी

चकिया (चंदौली), संयुक्त चिकित्सालय से सटे एक प्राइवेट अस्पताल के बाहर छोटे गैस सिलेंडर में सुबह आग लग गई। घबराहट में महिला ने जलते सिलेंडर को मुख्य मार्ग पर फेंक दिया। लपटों से घिरा सिलेंडर सड़क पर गिरते ही तेज धमाके के साथ फट गया। इस बीच ड्यूटी से घर आ रही संयुक्त चिकित्सालय की नर्स रेनू देवी (३५) घायल हो गई। आननफानन में घायल नर्स का इलाज संयुक्त चिकित्सालय में कराया गया। हादसे के बाद हुए तेज धमाके से आसपास के लोग दहल गए। आकांक्षा चाइल्ड केयर में एक महिला पेट्रो मैक्स के छोटे सिलेंडर पर चूल्हा लगाकर पानी गरम कर रही थी। गैस रिसाव होने के कारण अचानक सिलेंडर में आग लग गई। महिला ने खुद के बचाव की खातिर जलता सिलेंडर सामने सड़क पर फेंक दिया। सड़क पर सिलेंडर गिरते ही तेज आवाज में फट गया। सड़क से गुजर रही संयुक्त चिकित्सालय की नर्स रेनू देवी इसकी जद में आ गई। बाएं पैर में गंभीर चोट आने से गश्त खाकर गिर गई। आस पास के लोगों की मदद से संयुक्त चिकित्सालय में इलाज कराया गया। सिलेंडर फटने से समीप स्थित जीयूत गोड़, प्रदीप कुमार के मकान के अगले हिस्से के प्लास्टर दरक गए।

एसडीएम व सीओ ने किया मेला क्षेत्र का निरीक्षण

सीतामढ़ी (भदोही), सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी में लवकुश जन्मोत्सव मेला स्थल का एसडीएम ज्ञानपुर अमृता सिंह व पुलिस क्षेत्राधिकारी रामकरन ने पहुंचकर निरीक्षण किया। इसके पश्चात थाने में

बैठक कर मेला क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा की। सीतामढ़ी पहुंची एसडीएम व क्षेत्राधिकारी ने गंगा घाट सहित हर एक प्रमुख प्वाइंट पर पहुंचकर व्यवस्था देखी जहां अधिक भीड़ रहती है। इस दौरान मातहतों को व्यवस्था आदि को लेकर विविध निर्देश भी दिया। मेला क्षेत्र के निरीक्षण के पश्चात कोईरौना थाने पर बैठक कर जवानों को मेला क्षेत्र में ड्यूटी प्वाइंट पर जनता के साथ सहयोगात्मक व्यवहार करने तो अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखने की हिदायत दी गई। क्षेत्राधिकारी रामकरन ने बताया की ज्यादा भीड़ वाले स्थानों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। सादे वेश में भी जवान शोहदों पर नजर रखेंगे। एसडीएम ज्ञानपुर अमृता सिंह ने ग्राम प्रधान सहित सभी क्षेत्र वासियों से शांतिपूर्ण मेला सम्पन्न कराने में सहयोग की अपेक्षा की। थानाध्यक्ष एस.एन मिश्र, चौकी इंचार्ज श्रवण दुबे सहित मिश्रीलाल, मुन्ना पांडेय गिरीश पांडेय, कल्लू पांडेय आदि थे।

लाठियों से पीट कर वृद्ध की हत्या

महराजगंज, परसामलिक थाना अंतर्गत ग्राम सभा जमुहानी के टोला मधईडीह में (६२) फेकू साहनी को पट्टीदारों ने लाठियों से पीट कर मार डाला। हत्या का कारण पुरानी रंजिश बताया जाता है। परसामलिक थाना अंतर्गत मधईडीह निवासी फेकू सहानी का अपने पट्टीदार बरखू सहानी से पुरानी रंजिश चली आ रही है। इसी रंजिश को लेकर फेकू व बरखू सहानी पक्ष के लोग आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। इस हमले में बरखू सहानी का पक्ष भारी पड़ा और फेकू को घेर कर लाठियों से पीटा और मरा जान कर भाग निकले। हमलावरों के भागने के बाद परिजनों ने परसामलिक थानाध्यक्ष व सीओ नौतनवा को दी और एम्ब्युलेंस से बेहोश फेकू को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने फेकू को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक आरपी सिंह ने वृद्ध के मारे जाने की पुष्टि की।

टिकट दलाल को सीआईबी टीम ने दबोचा

देवरिया, भटनी रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटर पर सीआईबी टीम ने छापेमारी की। इस दौरान चेकिंग के दौरान एक टिकट दलाल को दबोच लिया। उसके पास से तत्काल टिकट के साथ ही सामान्य टिकट भी बरामद किया। मुकदमा दर्ज करने के बाद सीआईबी की टीम ने उसे जेल भेज दिया। गर्मी की छुट्टी समाप्त हो गई है, साथ ही वैवाहिक कार्यक्रम भी संपन्न हो गए है। ऐसे में बाहर से अपने घर आए लोग अब अपने गंतव्य को जा रहे हैं, लेकिन लंबी दूरी की ट्रेनों की सीट पहले से ही बुक हैं। ऐसे में लोगों के सामने तत्काल टिकट ही एक सहारा है लेकिन तत्काल टिकट को लेकर भी मारामारी हो रही है और टिकट दलालों के सक्रिय होने के चलते आम लोगों को टिकट नहीं मिल पा रहा है। सीआईबी भटनी के प्रभारी संजय कुमार राय, दिलीप कुमार सिंह अपनी टीम के साथ भटनी आरक्षण काउंटर पर गए, इस बीच एक युवक संदिग्ध लगा तो टीम ने उसे पकड़ लिया और उससे पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना नाम दीप नारायण यादव निवासी चांदपार बताया। तलाशी में सीआईबी ने उसके पास से एक तत्काल टिकट, दो सामान्य आरक्षित टिकट, मांग पत्र मिला। बरामद टिकट सिकंदराबाद, दिल्ली व लखनऊ के हैं। उसने बताया कि टिकट को 500 से 1000 हजार में बेच देता था। सीआईबी प्रभारी संजय राय ने कहा कि यह अभियान आगे भी चलता रहेगा। किसी भी दशा में दलालों को टिकट नहीं लेने दिया जाएगा।

प्रदेश के दो मंत्रियों ने पूर्व नरेश को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

सिद्धार्थनगर, प्रदेश के पशुधन एवं मत्स्य पालन मंत्री एस.पी.सिंह बघेल व

पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने बांसी स्थित राजमहल में पहुंचकर दिवंगत पूर्व बांसी नरेश राजा बहादुर राजा रूद्र प्रताप सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान मंत्री ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को याद करते हुए कहा कि वह बांसी की जनता में बेहद लोकप्रिय थे। उनके निधन से हम सभी को अपूरणीय क्षति हुई है, बघेल ने कहा की पूर्व राजा के जाने की भरपाई करना असंभव है। पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहां की इस नश्वर संसार में एक दिन सबको जाना ही है, लेकिन पूर्व राजा के व्यक्तित्व कृतित्व बांसी के लोगों के दिलों में सदैव जीवित रहेंगे। मंत्री द्वय ने दिवंगत राजा के पुत्र व प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध मंत्री जय प्रताप सिंह को ढाढस भी बंधाया। इस अवसर पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष ईश्वर चन्द्र दूबे योगेंद्र नाथ उर्फ जोगी बाबा, विश्वनाथ पांडेय, दिलीप चतुर्वेदी, विजयकांत चौबे, भूपेश दुबे, मंगल प्रसाद चौरसिया, सुबास मिश्र, हेमंत पांडेय, चंद्रिका प्रसाद मिश्र, डा.अरुण प्रजापति, प्रभाष्कर राय, दीपचंद, विजय त्रिपाठी व अभय पाल आदि उपस्थित रहे।

भाजपा ने किसान हित में शुरू योजनाओं की दी जानकारी

वाराणसी, हर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने किसान कल्याण सम्मेलन शुरू किया है। इस क्रम में अजगरा विधानसभा क्षेत्र के किसानों का सम्मेलन चोलापुर के भटपुरवा गांव में कल किसानों से संबधित राज्य और केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। और उनकी समस्याओं का समाधान भी किया गया। सम्मेलन में भाजपा के स्थानीय पदाधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इसके पूर्व पिंडरा बाजार स्थित देवराई शिव मंदिर पर किसान

सम्मेलन का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि किसान हित में सरकार ने कई फैसले लिए। इससे उन्हें लाभ भी मिल रहा है। सम्मेलन के प्रभारी प्रभात सिंह ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से किसानों को केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। उनकी समस्याओं को दूर किया जा रहा है। जिला मीडिया प्रभारी ज्ञानेश जोशी ने बताया कि अजगरा, सेवापुरी व शिवपुर विधानसभा क्षेत्र का किसान कल्याण सम्मेलन होगा।

केंद्र सरकार के कार्यों से विश्व में बढ़ा देश का कद

गोंडा, खरीफ की फसलों के समर्थन मूल्य में सरकार द्वारा वृद्धि से किसानों को लाभ होगा। भाजपा सरकार में जहां गैस किल्लत दूर हुई है, वहीं केंद्र सरकार के विकास कार्यों से देश का विश्व में कद बढ़ा है। यह बातें मुजेहना ब्लाक मुख्यालय पर आयोजित मेहनौन विधानसभा के किसान सम्मेलन में विधायक विनय कुमार द्विवेदी कहीं। सम्मेलन में किसानों को खरीफ फसल के समर्थन मूल्य वृद्धि पर विस्तृत जानकारी दी गयी। विधायक ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार कृत संकल्प है। योजनाओं के माध्यम से किसानों के लिए सरकार काम कर रही है। सांसद प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्र ने कहा कि सरकार में किसानों

को विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से दी जा रही है। किसान मोर्चा के विधानसभा संयोजक पवन सिंह ने मंच का संचालन किया तथा किसानों को सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही योजनाओं की जानकारी दी। बीडीओ पन्ना लाल, राजीव कुमार सिंह, विस्तारक मंजेश चक्रवर्ती, मंडल अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शुक्ला, प्रधान संघ अध्यक्ष विनोद सिंह, राजकुमार सिंह नवाराम यादव आदि उपस्थित रहे।

कपड़ा बाजार की मुश्केली और अधिक बढ़ी

अलग अलग मांग को लेकर ट्रान्सपोर्टरो की हडताल शुरु

ट्रान्सपोर्टरो की हडताल में सुरत और अहमदाबाद के ट्रान्सपोर्टर भी शामिल हुए : अरबो रुपये का नुकसान

सुरत । देशभर में आज से ट्रान्सपोर्टरो की हडताल एक बार फिर शुरु हुई । जिसके चलते ट्रकों के पहिये थम गए । ढुलाई नहीं होने के कारण कपड़ा बाजार का शीरदर्द और अधिक बढ़ने के आसार दिख रहे है । ट्रान्सपोर्टरो की हडताल में सुरत के ट्रान्सपोर्टर भी शामिल हुए है । अहमदाबाद के लगभग ५००० ट्रको के पहीयो रुक गए है । ट्रान्सपोर्टरो ने कल ही ओर्डर की बुकींग बंद कर दी थी । हडताल के दौरान माल की ढुलाई नहीं होने से कपड़ा बाजार की मुश्कीले बढ़ गई है । ओल इंडिया मोटर्स ट्रान्सपोर्ट कांग्रेस की ओर से डिजल की बढ़की कीमते, टोल टेक्स, थर्ड पार्टी इन्सोयरन्स की बढ़ती दर के खिलाफ और ट्रान्सपोर्ट इंडस्ट्रीज से टीडीएस हटाने की मांग के साथ २० जुलाई से देशभर में हडताल का आहवान किया गया था । आहवान के अनुसार ही आज से ट्रान्सपोर्टरो की हडताल शुरु हो गई । सुरत के ट्रान्सपोर्टरो ने भी कल गुरुवार के दिन ही हडताल में शामलि होने का निर्णय किया था । सुरत में कपड़ा उद्योग से प्रतिदिन ६०० ट्रको का आना जाना होता है । हाजीरा में प्रतिदिन १५०० ट्रक आते जाते है । इसके अलावा अन्य ट्रक भी दौडते है । ट्रान्सपोर्टरो की हडताल के कारण अरबो रुपयो का नुकसान होने की संभावना है । लकजरी बस भी ठप होने से बड़ी संख्या में यात्रि मुश्कील में दिख रहे है । राज्यभर की नीजि बस सेवा बंद रहने से हजारो यात्रियों को मुश्कीले उठानी पडी । अहमदाबाद से भावनगर, महेसाणा, राजकोट, बडौदा की तरफ जाने वाली ट्रावेल्स की बस में टिकिटों की कीमते बढ़ा दी गई है । यात्रियों को अधिक कीमत चुकानी पड रही है । आज से अनिश्चितकाल की हडताल शुरु हो चुकी है ।

सूरत । चौमासा आने के साथ ही साधु-साध्वियों का चातुमार्स प्रवेश शुरु हो गया है। शुक्रवार को आचार्य महाश्रमण की सुशिष्या साशनश्री साध्वी ललित प्रभा उधना तेरापंथ भवन में मंग चातुमार्स प्रवेश हुआ।

अब उधना में मरीजों को मिलेगी लेस्टेट टेक्नोलॉजी के साथ सिटी स्केन की सुविधा

सूरत । उधना इलाके में छायंड़ो संचालित जीवनज्योत डायग्रोस्टिक एन्ड हेल्थ सेन्टर में जर्मनी बेइस सीमेन्स का. का लेटेस्ट 32 स्लाइस के साथ का सिटी स्केन मशीन उधना मेनरोड पर शुरू किया गया है। इसमें छांयडा की मान सेवा ही जन सेवा का सूत्र को सार्थक किया गया है। छांयडा के प्रमुख भरतभाई शाह ने बताया कि हमने यह सेंटर 11 नवंबर 2017 से शुरू किया था और 8 माह में सेन्टर का उधना, भेस्तान, पांडेसरा, लिंबायत और सूरत शहर के लोग अच्छी सं या में लाभ ले रहे है। सेन्टर में एमआरआई, सोनोग्राफी, पेथोलॉजी लेबोरेटी, एक्सरे, ओपीडी, फिजियोथेरापी लेबोरेटी, एक्सरे, ओपीडी, फिजियोथेरापी, डायालिसीस, मेडिकल स्टोर्स और आंख के रेटीना के ऑपरेशन जैसे कई ट्रीटमेंट बहुत किफायती भाव में होते है। हर विभाग में निष्णांत डॉक्टर और तालीमबद्ध स्टाफ उपलब्ध है। इसके अलावा डायालिसीस सेवा भी उपलब्ध है। डायालिसीस की सेवा निशुल्क दी जाती है और मरीज को आर्यन तथा प्रोटीन के इंजेक्श्न की निशुल्क दिए जाते है। राहत दर पर सिटी स्केन की सेवा उपलब्ध हुई है। इसके चार्जिस 1 हजार से 3 हजार तक रखे गए है। इसमें कॉन्ट्रास्टका चार्ज भी शामिल है। नई सिविल अस्पताल के सभी मरीजों केा नई सिविल अस्पताल के चार्ज में ही सेन्टर में सिटी स्केन की जाएगी।

102 वर्षीय बुजुर्ग ने लगाई फांसी

सूरत। कतारगाम क्षेत्र में रहने वाले 102 साल का एक बुजुर्ग बीमारी से तंग आकर गत शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बताया की उन्होंने पेशाब की बीमारी से तंग आकर यह कदम उठा लिया।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कतारगाम स्थित रामजी कृपा रो-हाउस निवासी विरजी भाई केशव भाई लिंबाचिया गत शाम चार बजे अपने घर में मौजूद थे, उनके पुत्र तथा बहु सहित पुरे परिवर के सदस्य इधर-उधर अपने काम में मशगुल थे। उस दौरान वह गैलेरी में गए और छत के एंगल पर टीवी का केबल वायर बांधकर फांसी लगाकर फंदे से लटक गए। कुछ देर बाद परिवार के किसी सदस्य ने उन्हें लटकते देखा तब उनके होश उड़ गए। उन्होंने शोर मचाकर अन्य सदस्यों को बुलाया। वहीं घटना सामने आने पर क्षेत्र में भी खलबली मच गई।

गुजरात के 18 बांधों पर हाई अलर्ट और 11 जलाशयों पर अलर्ट जारी

सूरत। गुजरात के जलसंपत्ति विभाग से मिला जानकारी के मुताबिक आज सुबह 8 बजे पूरे हुए 24 घंटों के दौरान व्यापक बारिश के कारण राज्य के 18 जलाशयों पर हाईअलर्ट, 11 जलाशयों पर अलर्ट और 9 जलाशयों पर चेतावनी जारी की गई है। राज्य में नवसारी जिले के जूझ और केलिया, अमरेली के वडिया और धातरवाडी, जामनगर के पूना, उन्ड-3 और फुलझर-1, भावनगर के रोजगी और बागड़, गिर सोमनाथ के मच्छुन्द्री और हीरण-2, जूनागढ़ का मधुवंती, पोरबंदर का अमीरपुर, तापी का दोसवाडा, राजकोट का मोतीसर, भरुच का ढोली, जामनगर के कंकावटी, जूनागढ़ के अंबाजल समेत 18 जलाशयों पर हाईअलर्ट जारी किया गया है। जबकि राज्य के 11 जलाशयों पर अलर्ट और 9 डेमों पर चेतावनी जारी की गई है। जलसंपत्ति विभाग के मुताबिक गुजरात के 15 जलाशयों में 28.90 प्रतिशत, मध्यगुजरात के 1। जलाशयों में 48.90 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात के 13 जलाशयों में 2 1.01 प्रतिशत, कच्छ के 20 जलाशयों में 10.09 प्रतिशत और सौराष्ट्र के 138 जलाशयों में 44.3 । समेत राज्य में वर्तमान में 32.94 प्रतिशत यानी 18 3311 मीटर घनफूट जलराशि उपलब्ध है। राज्य के कुल 203 जलाशयों में से 14 जलाशयों में 100 प्रतिशत से ज्यादा, 25 जलाशयों में 10 से 100 प्रतिशत, 24 जलाशयों में 50 से 10 प्रतिशत, 50 जलाशयों में 25 से 50 प्रतिशत और 90 जलाशयों में 25 प्रतिशत से कम जलराशि है। सरदार सरोवर बांध में फिलहाल 13-2 152 एमसीएफटी जलराशि उपलब्ध है। जो कुल संग्रह शक्ति का 39. 14 प्रतिशत है। जबकि राज्य के कुल 203 जलाशयों में वर्तमानमें 183311 एमसीएफटी है जो संग्रह शक्ति का 32.94 प्रतिशत है।

टेक्स भुगतान नहीं करने परमेहसाणानगरपालिका ने किया एयरपोर्ट सील

अहमदाबाद (ईएमएस)। मेहसाणा नगर पालिका ने पांच करोड़ रुपए से अधिक के टेक्स का भुगतान नहीं करने पर जिला हवाई अड्डे को सील कर दिया। कर का भुगतान नहीं करने पर दूसरी दफा एयरपोर्ट को सील किया गया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद एविएशन एरोनोटिक्स लिमिटेड कंपनी ने पिछले कई सालों से रु. 509 । 1221 यानी रु. 5.09 करोड़ टेक्स का भुगतान नहीं किया। जिसकी वजह से मेहसाणा नगर पालिका ने कड़ी कार्यवाही हुए जिला हवाई अड्डे को सील कर दिया। इसके अलावा एयरपोर्ट पर गैरकानूनी निर्माण कार्यों को भी रोक दिया है।

गुजरात के ८४ तहेसीलो में बारिश हुई

सुरत सहित पुरे प्रदेश में तेज बारिश जारी: उमरपाडा में सात इंच

अंकलेश्वर में पांच इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई : उत्तर गुजुरात और मध्य गुजरात में उल्लेखनिय बारिश जारी

सुरत । दक्षिण गुजरात में आज भी भारी बारिश जारी रही । तेज बारिश के चलते सुरत जि ले के उमरपाडा में हालत खराब हुई । उमरपाडा में सात इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है । अंकलेश्वर में पांच इंच से अधिक बारिश हुई है। दाहोद में चार इंच से अधिक बारिश हुई है । इसके अलावा नेत्रंग, सागबारा, हांसोट में चार इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है। उत्तर और मध्य गुज रात में सभी जगह भारी बारिश हुई है । गुजरात के ८४ तहेसील में उल्लेखनिय बारिश हुई है । पिछले २४ घंटो में उत्तर और मध्य गुजरात में भारी बारिश दर्ज हुई है। बनासकांठा जिले के दाता तहेसील में सबसे अधिक १४६ मीमी अथवा तो पांच इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है । महेमदाबाद में १३८ मीमी, वधई में १३४ मीमी और शहेरा में १३० मीमी समेत कुल तीन तहेसील में पांच इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है। राज्य के स्टेट ईमरजन्सी ओपरेशन सेन्टर के द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक २४ घंटे में धनसुरा तहसील में १२० मीमी, भीलोडा में ११५ मीमी, खेरगाम में ११२ मीमी, खंभात म १०९ मीमी, वासंदा में १०५ मीमी, वलसाड में १०२ मीमी, डांग में ९९ मीमी मिलकर कुल आठ तहसील में चार इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है। डांग में ९९ मीमी बारिश दर्ज की गई है।

राज्य के १३ तहेसील में तीन इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है । इडर तहेसील में ६९ मीमी बारिश दर्ज की गई है । कुल २० तहेसील में २ इंच से अधिक और अन्य ३७ तहेसील में १ इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है। शहर के अलग अलग इलाको में बारिश दर्ज हुई है । पिछले कुछ दिनो से उत्तर और मध्य गुजरात इसके अलावा सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में भी उल्लेखनिय बारिश दर्ज हो चुकी है। बचाव और राहत कार्य असरग्रस्त इलाको में चलाए जा रहे है। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा है कि राज्य सरकार ने कम बारिश वाले इलाको में किासनों को फसलों के लिए पानी मिलने के उद्देश्य से कडाना बांध से मध्य गुजरात इलाके के साथ साथ अन्य इलकों में सुज लाम-सुफलाम के तहत तालाब भर कर पानी पहुंचाने का निर्णय लिया है । नर्मदा कैनाल में भी नर्मदा के पानी को कच्छ-धांगध्रा, माळिया, मोरबी जैसे इलाकों में किसानों को पानी पहुंचाने की व्यवस्था की है।

सूरत। बारिश में मौसम में भजीया की लारी पर भजीया का आनंद उठाते सूरती।

गुजरात में भारी वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों में रेल यातायात हुआ बहाल

अहमदाबाद। गुजरात में खासकर सौराष्ट्र में भारी बारिश और बाढ़ के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ था। पश्चिम रेलवे के युद्धस्तर पर प्रयासों के जरिए रेल यातायात बहाल हो चुका है।

गुजरात के अधिकांश क्षेत्रों में अभी तक भारी एवं लगातार वर्षा हुई है, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ है।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com